# Discipline Specific Elective Course

बी.ए.

## BHL C-713 B

## भारतीय काव्य शास्त्र

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

### पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- भारतीय काव्य शास्त्र का अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- काव्यशास्त्र के भारतीय दृष्टिकोण से परिचित होंगे.
- अलंकारों एवं उसके विविध रूपों का बोध हो सकेगा.
- अलंकार और उसके स्वरूप की समीक्षा कर पाएंगे.
- भारतीय काव्यशास्त्र के औचित्य को समझ पाएंगे.

इकाई-1

- भारतीय काव्य शास्त्र का उद्भव और विकास, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
- रस सिद्धान्त - रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

इकाई-2

- अलंकार सिद्धान्त - मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।
- रीति सिद्धान्त - रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थानाएँ।

इकाई-3

- वक्रोक्ति सिद्धान्त - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- ध्वनि सिद्धान्त - ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।
- औचित्य सिद्धान्त - औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

इकाई-4

- हिन्दी कवि आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिन्तन - लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि शिक्षा।
- हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना दृष्टि: रामचन्द्र शुक्ल, नंद दुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ॰ राम विलास शर्मा, डॉ॰ नगेन्द्र, डॉ॰ नामवर सिंह

इकाई-5

- हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाज शास्त्रीय।

संदर्भ सूची

1. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका - डॉ॰ योगेन्द्र प्रताप सिंह
2. भारतीय काव्य शास्त्र - डॉ॰ योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. भारतीय काव्य शास्त्र - डॉ॰ निशा अग्रवाल
4. भारतीय साहित्य सिद्धान्त - डॉ॰ तारक नाथ बाली
5. भारतीय काव्य शास्त्र– भागीरथ मिश्र